TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : पाश्चात्य काव्यशास्त्र	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper-DSC
CourseCode: DSC[8]	Course Title: **पाश्चात्य काव्यशास्त्र**	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी साहित्यालोचन की पश्चिमी परम्परा का विस्तृत ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी प्राचीन यूनानी विचारक प्लेटो, अरस्तू तथा लोंगिनुस की काव्य मूल्यांकन सम्बन्धी मान्यताओं और स्थापनाओं यथा काव्य- सत्य, अनुकरण व विरेचन, त्रासदी विवेचन, उदात्त की अवधारणा आदि का ऐतिहासिक तथा सैद्धान्तिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी अंग्रेज़ी के महत्वपूर्ण साहित्यालोचक मैथ्यू आर्नल्ड, क्रोचे, आई. ए. रिचर्ड्स और टी. एस. इलियट, वर्ड्सवर्थ और कालरिज के समालोचन सिद्धान्तों का ऐतिहासिक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग्रेज़ी कवि वर्ड्सवर्थ के काव्यभाषा सिद्धान्त और कॉलरिज के कल्पना सिद्धान्त का ऐतिहासिक परिचय और सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पाश्चात्य काव्यशास्त्र: संक्षिप्त परिचय. प्लेटो के काव्य सिद्धांत	10
Unit II	अरस्तू: अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धात एवं त्रासदी विवेचन, लोंजाइन्स: उदात्त की अवधारणा एवं भेद।	10
Unit III	मैथ्यू आर्नल्ड: कला और नैतिकता का सिद्धांत, क्रोचे: अभिव्यंजनावाद,	10
Unit IV	आई. ए. रिचर्ड्स: काव्यमूल्य, टी. एस. इलियट: कला की निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	10
Unit V	वर्ड्सवर्थ: काव्यभाषा सिद्धांत, कालरिज: कल्पना और फैंटेसी सिद्धांत।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ–

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : सम्पादक निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. उदात्त के विषय में : निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – नई प्रवृत्तियाँ : राजनाथ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. नयी समीक्षा के प्रतिमान : निर्मला जैन, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	4	0	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
GROUP- 1		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper-DSE
CourseCode: DSE [8]	Course Title: **हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)**	

Course Outcomes:

CO1 शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाथ साहित्य , वीरकाव्य-रासो साहित्य आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान और चंद बरदाई, अब्दुल रहमान, जगनिक, स्वयंभू, धनपाल, नरपति

नाल्ह, विद्यापति आदि महत्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल /रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि-आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी रीतिकाल की काव्यधाराओं यथा रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य पंरपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकीरचनाएँ।	12
Unit II	मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।	12
Unit III	भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit IV	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12

	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	**12**

सहायक ग्रंथ - 1.हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
4. भक्ति और भक्ति आंदोलन : सेवा सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला(हरियाणा)
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		

DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper- DSE

Course Code: DSE[9]	Course Title: **हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)**

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी आधुनिक काल के राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी आधुनिक काल में अस्तित्व में आए साहित्यिक आंदोलनों अथवा विशिष्ट धाराओं यथा छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान तथा नवीन रचना-दृष्टि के आलोक में उनके प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी में गद्य लेखन के उद्भव-विकास तथा गद्य की प्रमुख विधाओं यथा नाटक, कहानी, उपन्यास और निबंध का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी कथेतर गद्य के अन्तर्गत स्मारक साहित्य और उसकी विधाओं यथा संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	आधुनिक काल की पृष्ठभूमि: भारतेन्दु युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	छायावाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युग: प्रगतिवाद, प्रयोगवाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी साहित्य: पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।	12
Unit III	हिंदी गद्य साहित्य का विकास: नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।	12
Unit IV	हिंदी का स्मारक साहित्य: संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ –

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश, , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

6. हिन्दी नाटक – उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
7. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ : निर्मलाढैला एवं रेखा ढैला, ग्रंथायन, अलीगढ़
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE :आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: – HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper- DSE
Course Code: DSE[10]	Course Title: **आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)**	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी आधुनिक कविता के आरम्भ का रचनात्मक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी नवजागरण में खड़ी बोली हिन्दी में काव्यरचना के सशक्त आरम्भ के साक्ष्य प्राप्त करता है। मैथिलीशरण गुप्त कृत साकेत की विषयवस्तु उसे हिन्दी कविता में स्त्री के मूक संघर्षों व बलिदानों के चित्रण का महत्वपूर्ण अभिलेख बनाती है, शिक्षार्थी इस पुस्तक के अध्ययन से हिन्दी में स्त्री विमर्श के बहुत आरंभिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है।
CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कवियों जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत एवं महादेवी वर्मा और उनकी कविताओं के अध्ययन से छायावाद युग का ऐतिहासिक व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
CO4. शिक्षार्थी छायावादी कविता के अध्ययन से प्रकृति, प्रेम, सौन्दर्य, भारत की गहन भारतीय परम्परा तथा विचार की नवीन आधुनिक सरणियों/पद्धतियों का रचनात्मक एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	मैथिलीशरण गुप्त: साकेत (व्याख्या के लिए केवल नवम सर्ग), साकेत प्रकाशन, चिरगांव झाँसी।	10
Unit II	जयशंकर प्रसाद: कामायनी (व्याख्या के लिए केवल श्रद्धा और इड़ा सर्ग), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।	10
Unit III	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: राग-विराग, संपा. रामविलास शर्मा (व्याख्या के लिए ‘राम की शक्तिपूजा), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।	10
Unit IV	सुमित्रानंदन पंत: रश्मिबंध (व्याख्या के लिए प्रारंभिक 15 कविताएँ), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	10

Unit V	महादेवी वर्मा: संधिनी (व्याख्या के लिए कविता संख्या 25 से 40 तक), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. मैथिलीशरण : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. जयशंकर प्रसाद: नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
3. छायावाद – प्रसाद, निराला, महादेवी और पंत : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. महादेवी : दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कवि सुमित्रानंदन पंत : नंदकिशोर नवल, नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. कामायनी एक पुनर्विचार : गजानन माधव मुक्तिबोध,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		

DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

<table>
<tr><td colspan="4">PG Diploma/Honours in the Core Subject</td></tr>
<tr><td colspan="2">GROUP- 2</td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td colspan="2">Programme: -HINDI</td><td>Year: IV</td><td>Semester:VIII
Paper-DSE</td></tr>
<tr><td>CourseCode: DSE[8]</td><td colspan="3">Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course Outcomes:
CO1 शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
CO2.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाथ साहित्य , वीरकाव्य-रासो साहित्य आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान और चंद बरदाई, अब्दुल रहमान, जगनिक, स्वयंभू, धनपाल, नरपति नाल्ह, विद्यापति आदि महत्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।
CO3.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
CO4.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल /रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का सैद्धांतिक ज्ञान</td></tr>
</table>

प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि-आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी रीतिकाल की काव्यधाराओं यथा रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य पंरपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।	12
Unit III	भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit IV	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ -

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
5. भक्ति और भक्ति आंदोलन : सेवा सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला(हरियाणा)
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र
7. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार : गोपेश्वर सिंह, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
8. निर्गुण काव्य में नारी : प्रो. अनिल राय, सार्थक प्रकाशन, दिल्ली

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper- DSE

CourseCode: DSE[9]	Course Title: **हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)**

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी आधुनिक काल के राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी आधुनिक काल में अस्तित्व में आए साहित्यिक आंदोलनों अथवा विशिष्ट धाराओं यथा छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान तथा नवीन रचना-दृष्टि के आलोक में उनके प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी में गद्य लेखन के उद्भव-विकास तथा गद्य की प्रमुख विधाओं यथा नाटक, कहानी, उपन्यास और निबंध का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी कथेतर गद्य के अन्तर्गत स्मारक साहित्य और उसकी विधाओं यथा संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4	

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	आधुनिक काल की पृष्ठभूमि: भारतेन्दु युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	छायावाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युग: प्रगतिवाद, प्रयोगवाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी साहित्य: पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।	12

Unit III	हिंदी गद्य साहित्य का विकास: नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।	12
Unit IV	हिंदी का स्मारक साहित्य: संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ –

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश, , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी नाटक – उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
7. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ : निर्मलाढैला एवं रेखा ढैला, ग्रंथायन, अलीगढ़
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

TEACHING HOURS – 60

	Credits	Credit distribution of the Course	Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the

Course Title						course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं	4	4	0	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: IV	Semester:VIII Paper- GE
Course Code: GE[9]	Course Title: आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी योरोपीय पुनर्जागरण का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करता है। यही परिघटना सभी आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराओं की आधारभूमि है।

CO2. शिक्षार्थी सिद्धान्त रूप में आधुनिकता का अध्ययन करते हुए मार्क्स के सामान्य सिद्धान्तों का ज्ञान करता है। यही सिद्धान्त बीसवीं शताब्दी में पश्चिम के आधुनिक विचार संसार की केन्द्रीय धुरी रहे हैं। इनका विश्व-साहित्य पर बहुत प्रभाव रहा है।

CO3. शिक्षार्थी मनोविश्लेषण के आधुनिक विज्ञान पर आधारित साहित्यिक विवेचना पद्धति का अध्ययन करता है।

CO4. शिक्षार्थी अस्तित्ववाद का अध्ययन करते हुए बीसवीं सदी के एक प्रमुख विचार तथा उससे प्रेरित साहित्य व आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी साहित्य, समाज तथा भाषा के बीच सम्बन्ध का अध्ययन करते हुए भाषा के संरचना आधारित आकलन का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में भाषा, साहित्य, समाज व राजनीति के उत्तरआधुनिक सिद्धान्तों व विमर्शों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:4		
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पृष्ठभूमि – पुनर्जागरण	10
Unit II	आधुनिकता और मार्क्सवाद	10
Unit III	मनोविश्लेषणवाद	10
Unit IV	अस्तित्ववाद	10
Unit V	संरचनावाद	10
Unit VI	उत्तरआधुनिकता	5
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – नई प्रवृत्तियां, राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. उत्तरआधुनिक साहित्य विमर्श, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. नयी समीक्षा के प्रतिमान, निर्मला जैन, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course	Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the

		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		course(if any)
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
GROUP- 3		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper-DSE
CourseCode: DSE[8]	Course Title: **हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)**	

Course Outcomes:

CO1 शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाथ साहित्य , वीरकाव्य-रासो साहित्य आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान और चंद बरदाई, अब्दुल रहमान, जगनिक, स्वयंभू, धनपाल, नरपति नाल्ह, विद्यापति आदि महत्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों

का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
CO4.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल /रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
CO5.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि-आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।
CO6.शिक्षार्थी रीतिकाल की काव्यधाराओं यथा रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य पंरपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।	12
Unit III	भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit IV	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ -

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
5. भक्ति और भक्ति आंदोलन : सेवा सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला(हरियाणा)
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र
7. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार : गोपेश्वर सिंह, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
8. निर्गुण काव्य में नारी : प्रो. अनिल राय, सार्थक प्रकाशन, दिल्ली

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं	4	4	0	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper- GE
CourseCode: GE[9]	Course Title: **आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं**	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी योरोपीय पुनर्जागरण का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करता है। यही परिघटना सभी आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराओं की आधारभूमि है।

CO2. शिक्षार्थी सिद्धान्त रूप में आधुनिकता का अध्ययन करते हुए मार्क्स के सामान्य सिद्धान्तों का ज्ञान करता है। यही सिद्धान्त बीसवीं शताब्दी में पश्चिम के आधुनिक विचार संसार की केन्द्रीय धुरी रहे हैं। इनका विश्व-साहित्य पर बहुत प्रभाव रहा है।

CO3. शिक्षार्थी मनोविश्लेषण के आधुनिक विज्ञान पर आधारित साहित्यिक विवेचना पद्धति का अध्ययन करता है।

CO4. शिक्षार्थी अस्तित्ववाद का अध्ययन करते हुए बीसवीं सदी के एक प्रमुख विचार तथा उससे प्रेरित साहित्य व आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी साहित्य, समाज तथा भाषा के बीच सम्बन्ध का अध्ययन करते हुए भाषा के संरचना आधारित आकलन का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में भाषा, साहित्य, समाज व राजनीति के उत्तरआधुनिक सिद्धान्तों व विमर्शों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पृष्ठभूमि – पुनर्जागरण	10
Unit II	आधुनिकता और मार्क्सवाद	10

Unit III	मनोविश्लेषणवाद	**8**
Unit IV	अस्तित्ववाद	**8**
Unit V	संरचनावाद	**8**
Unit VI	उत्तरआधुनिकता	**8**
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	**8**

सहायक ग्रंथ –

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – नई प्रवृत्तियां, राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. उत्तरआधुनिक साहित्य विमर्श, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. नयी समीक्षा के प्रतिमान, निर्मला जैन, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. उत्तरआधुनिकता (बहुआयामी संदर्भ) , पांडेय शशिभूषण शीतांशु

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : विशिष्ट अध्ययन : कबीर	4	4	0	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: IV	Semester:VIII Paper- GE
Course Code: GE[10]	Course Title: विशिष्ट अध्ययन : कबीर		

Course Outcomes:

CO1. विश्व की प्राचीन कविता परम्परा में भारत की भक्तिकालीन निर्गुण धारा के कवि कबीर का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्व भर में उन पर शोधकार्य हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी कबीर की कविता एवं दर्शन का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी कबीर के अध्ययन से भक्ति आंदोलन, संत परम्परा तथा निर्गुण काव्यधारा का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी कबीर के अध्ययन से मध्यकालीन भारतीय समाज तथा उसमें उपस्थित जाति-धर्म, अज्ञान, अंधविश्वास आदि के विरुद्ध प्रतिरोध का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी कविता के दार्शनिक पक्ष का परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी कविता के सामाजिक पक्ष का परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। CO6. शिक्षार्थी साहित्य की समग्र आध्यात्मिक एवं सामाजिक समीक्षा का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।		
Credits:4		
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	व्याख्या हेतु : कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली (पद संख्या : 160-209)	20
Unit II	भूमिका : कबीर ग्रंथावली- परिमार्जित पाठ- संपा. श्यामसुंदर दास:भूमिका एवं परिमार्जन- पुरुषोत्तम अग्रवाल , राजकमल प्रकाशन समूह, दिल्ली	15
Unit III	सैद्धान्तिक अध्ययन हेतु : कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. कबीर की खोज : राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कबीर की चिंता – बलदेव वंशी , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अकथ कहानी प्रेम की : पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर : सम्पादक – विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DISSERTATION	6	6	0	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: IV	Semester:VIII Paper- DISSERTATION
Course Code: DISSERTATION	Course Title: DISSERTATION	
Course Outcomes: CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है। CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।		
Credits:6		

Unit	Topic	No. of Hours
GROUP-I OR	Dissertation on Major	
GROUP II OR	Dissertation on Minor	
GROUP III OR	Academic Project/ Enterprenureship	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

Master's in Core Subject- HINDI
SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : लोक साहित्य	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**